



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 338]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 9, 2012/आषाढ़ 18, 1934

No. 338]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 9, 2012/ASADHA 18, 1934

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 2012

सं. 33/2012-केंद्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 545(अ).—अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) तथा अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (कपड़ा तथा कपड़े की वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट होने पर कि ऐसा करना लोकहित में अनिवार्य है, एतद्वारा केंद्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम और द्वितीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट पूंजीगत माल को, विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.16 के अनुसार किसी क्षेत्रीय प्राधिकारी द्वारा किसी हैसियत धारक को जारी हैसियत धारक प्रोत्साहन स्कीम पर्ची (इसके बाद कथित पर्ची कहा गया है) के समक्ष निकासी होने पर, निम्नलिखित से छूट प्रदान करती है, -

- (i) केंद्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम और द्वितीय अनुसूची के तहत उस पर उद्धृणीय समस्त उत्पादशुल्क से;
- (ii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 के तहत उस पर उद्धृणीय समस्त अतिरिक्त उत्पादशुल्क से; और
- (iii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (कपड़ा तथा कपड़े की वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 के तहत उस पर उद्धृणीय समस्त अतिरिक्त उत्पादशुल्क से.

2. यह छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी, नामशः-

(क) यह कि उपर्युक्त पच्ची क्षेत्रीय प्राधिकारी द्वारा किसी हैसियत धारक को इस क्षेत्र के उत्पादों अर्थात् चमड़ा (फिनिश लेदर को छोड़कर, वस्त्र तथा जूट, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग (लोहा तथा इस्पात, प्राथमिक तथा मध्यवर्ती स्वरूप में गैर लौह धातु, ऑटो मोबाइल तथा दो पहिया वाहन, नाभिकीय रिएक्टर तथा उसके हिस्से और पोत नौका तथा तैरने वाले अन्य वस्तुएं), प्लास्टिक तथा मूल रसायन (फार्मा उत्पादों को छोड़कर) 2009-10, 2010-11, 2011-12 अथवा 2012-13 के दौरान निर्मित हो अथवा 2010-11, 2011-12 अथवा 2012-13 के दौरान निम्नलिखित उत्पादों के निर्यात के समक्ष जारी की गयी हो, नामशः-

(i) सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के रसायन तथा संबद्ध उत्पाद (थोक खनिज, ग्रेनाइट अथवा पत्थर, संसाधित खनिज, सीमेंट, क्लींकर तथा ऐस्बेस्टस को छोड़कर) नामशः शीर्षक 4001 से 4010 तथा 4014 से 4017 के तहत शामिल रबर के उत्पाद; शीर्षक 3208, 3209 तथा 3210 के तहत शामिल पेंट वार्निश एवं संबद्ध उत्पाद; अध्याय 70 के तहत शामिल शीशा एवं शीशे के सामान; अध्याय 44 के तहत शामिल प्लाईवुड एवं संबद्ध उत्पाद; अध्याय 69 के तहत शामिल सिरैमिक्स या रिफ्रेक्टरीज; अध्याय 48 के तहत शामिल कागज, कागज बोर्ड तथा कागज के उत्पाद; अध्याय 48 के तहत शामिल पुस्तकें, प्रकाशन एवं मुद्रण; शीर्षक 35030030, 05069099, 05079010, 05079020, 05079050, 23011010, 23011090, 96062910, तथा 96063010 के तहत शामिल पशु उप उत्पाद; शीर्षक 05061039 और 35030020 के तहत शामिल ओसेइन एवं जिलेटिन; शीर्षक 3801, 85451100 एवं 85451900 के तहत शामिल ग्रेफाइट के उत्पाद तथा शीर्षक 3601, 3602 एवं 3603 के तहत शामिल विस्फोटक; शीर्षक 3201, 32029010, 32030010, 3604, 3605, एवं 38021000 के तहत शामिल उत्पाद;

(ii) इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद;

(iii) सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के शीर्षक 420321, 650610 एवं अध्याय 95 के अंतर्गत आने वाले खेलकूद के सामान तथा खिलौने।

(iv) सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 72 के अंतर्गत आने वाले इंजीनियरिंग उत्पाद अर्थात् (i) लोहा तथा इस्पात (ii) पाइप तथा ट्यूब (iii) फेरो एलायड:

यह भी शर्त है कि निम्नलिखित निर्यातों पर इस योजना के अंतर्गत पात्रता परिवर्तन पर विचार नहीं किया जाएगा अर्थात्:-

- (1) निर्यातानुमुखी इकाइयां या इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क या जैवप्रौद्योगिकी पार्क जो प्रत्यक्ष कर का हितलाभ या छूट ले रहे हों;
- (2) विदेश व्यापार नीति के पैरा 2.35 के तहत परिवर्तित आयातित मालों का निर्यात;
- (3) यानांतरण के जरिए निर्यात, अर्थात् उसके द्वारा वह निर्यात तीसरे देश में उत्पन्न हो रहा है किंतु भारत के जरिए यानांतरण किया गया है;

(4) मानद निर्यात;

(5) विशेष आर्थिक जोन की यूनिटों द्वारा किए गए निर्यात या विशेष आर्थिक जोन के उत्पाद जिनका निर्यात घरेलू टैरिफ क्षेत्र की यूनिटों द्वारा किया गया हो;

(6) उन मदों का निर्यात, जो आईटीसी (एचएस) में निर्यात नीति की अनुसूची 2 में प्रतिबंधित हैं या निर्यात निषिद्ध हैं;

(7) किसी वर्ष विशेष के दौरान हैसियत धारक द्वारा किया गया निर्यात, यदि उस वर्ष में वस्त्र मंत्रालय की प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त किया गया हो:

आगे यह भी शर्त है कि कथित पर्ची यथा मामला सामान्य सेवा प्रदाताओं के लिए अधिसूचना सं. 102/2009-सीमा शुल्क, दिनांक 11 सितंबर, 2009 के पैराग्राफ 2 के उपपैराग्राफ (4) के शून्य शुल्क ईपीसीजी योजना या 101/2009-सीमा शुल्क, दिनांक 11 सितंबर, 2009 के पैराग्राफ 2 के उपपैराग्राफ (5) के शून्य शुल्क ईपीसीजी योजना में निहित शर्तों के उल्लंघन में जारी न की गयी हो;

(ख) यह कि इस अधिसूचना के तहत हितलाभ उन मदों की निकासी के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, जो प्रक्रिया पुस्तिका, खंड-1 के परिशिष्ट 37ख में सूचीबद्ध हैं;

(ग) यह कि इस अधिसूचना के तहत हितलाभ उन मालों या मदों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, कथित पर्ची के समक्ष जिनके आयात की अनुमति नहीं है;

(घ) यह कि कथित पर्ची अहस्तांतरणीय होगी और इसका प्रयोग शर्त (क) में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों से संबंधित पूंजीगत माल की निकासी के लिए किया जाएगा:

शर्त यह है कि कथित पर्ची हैसियत धारकों के बीच इस शर्त के अधीन हस्तांतरणीय होगी कि हस्तांतरणकर्ता हैसियत धारक एक विनिर्माता है और ऐसा हस्तांतरण कथित पर्ची की वैधता अवधि के दौरान क्षेत्रीय प्राधिकारी से अनुमोदित हो, जिसमें उल्लेख हो कि हस्तांतरणकर्ता का किस क्षेत्र में विनिर्माण सुविधा है और किसके लिए हस्तांतरण की अनुमति दी गयी है:

आगे यह भी शर्त है कि ऐसे हस्तांतरण पर, कथित पर्ची की वैधता अवधि अपरिवर्तित रहेगी;

(ङ.) इस पर्ची के समक्ष निकासीकृत पूंजीगत माल का उपयोग वास्तविक प्रयोगकर्ता के अधीन होगा;

(च) यह कि कथित पर्ची पंजीकरण पत्तन पर सीमाशुल्क प्राधिकारी के यहां पंजीकृत है (जिसे इसके बाद कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी कहा गया है);

(छ) यह कि कथित पर्ची का धारक, जो ऐसा व्यक्ति हो सकता है जिसे पर्ची मूलतः जारी की गयी थी या हस्तांतरण धारी हो, कथित पर्ची को कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी को आपूर्तिकर्ता या विनिर्माता से पत्र या प्रोफार्मा बीजक के साथ प्रस्तुत करे

जिसमें उसके क्षेत्राधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी (जिसे इसके बाद कथित अधिकारी कहा गया है) के क्षेत्राधिकार के ब्यौरे हों तथा निकासी किए जाने वाले माल का विवरण, मात्रा, मूल्य एवं उस पर उद्घटनीय शुल्कों के ब्यौरे हों, इस छूट को छोड़कर।

(ज) यह कि कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी, अधिसूचना सं. 104/2009-सीमा शुल्क, दिनांक 14 सितंबर, 2009 के तहत आयातों तथा उसकी छूटों के समक्ष पहले ही किए गए नामों को लेखे में लेते हुए कथित पर्ची में या उसके पीछे उद्घटनीय शुल्कों को नामे करेगा, उस पर आवश्यक ब्यौरे भी लिखता है, अपने अभिलेखों को अद्यतन करता है, तथा इन कार्रवाइयों की लिखित सलाह कथित अधिकारी को भेजता है;

(झ) यह कि निकासी के समय, पर्ची का धारक कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा नामे की गयी कथित पर्ची को कथित अधिकारी के समक्ष कथित अधिकारी को संबोधित एक वचनपत्र के साथ प्रस्तुत करता है कि -

क. कथित पर्ची में किसी धनराशि के कम नामे होने के मामले में वह मांग करने पर कम नामे की धनराशि के बराबर धन लागू ब्याज के साथ अदा करेगा।

ख. वह वास्तविक प्रयोगकता शर्त का अनुपालन करेगा तथा इन शर्तों के गैर अनुपालन के मामलों में वह मांग किये जाने पर इसमें निहित छूट को छोड़कर लागू ब्याज के साथ लगाई जाने वाली झूटी की कुल राशि के बराबर भुगतान करेगा।

(ञ) यह कि कथित लिखित सलाह और वचनपत्र के आधार पर, कथित अधिकारी निकासी के ब्यौरों को पृष्ठांकित करता है तथा कथित पर्ची के पीछे, इस छूट को छोड़कर, उद्घटनीय शुल्कों का वैधयन करता है जिसे कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा नामे किया गया, तथा ऐसी निकासियों का एक अभिलेख रखता है;

(ट) यह कि विनर्माता इस अधिसूचना के तहत निकासी के समर्थन में, कथित सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा नामे किए गए तथा कथित अधिकारी द्वारा पृष्ठांकित एवं पर्ची के धारक द्वारा विधिवत सत्यापित कथित पर्ची की एक प्रतिलिपि रखता है;

(ठ) यह कि कथित पर्ची का धारक, जिसे माल की निकासी की गयी थी, केन्द्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम और द्वितीय अनुसूची, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3, तथा अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (कपड़ा तथा कपड़े की वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 के तहत उस पर उद्घटनीय उत्पादशुल्क पर, कथित पर्ची में नामे की गयी तथा निकासी के समय वैधिकृत धनराशि के समक्ष प्रतिअदायगी या सेनवेट क्रेडिट का लाभ लेने का पात्र होगा।

स्पष्टीकरण - इस अधिसूचना के प्रयोजनों से,-

(क) “पूँजीगत माल” का अभिप्राय प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं अथवा सेवाओं हेतु किसी संयंत्र, मशीनरी, विनिर्माण अथवा उत्पादन हेतु आवश्यक उपकरण अथवा सहायक उपकरणों से है, जिसमें प्रतिस्थापन, आधुनिकीकरण, तकनीकी उन्नयन अथवा विस्तार हेतु आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। इसमें पैकिंग मशीनरी तथा उपकरण, प्रारंभिक लाइनों हेतु रिफ्रैक्टरीज, प्रशीतन के उपकरण, पावर जेनरेटिंग सेट, मशीन टूल, प्रारंभिक चार्ज हेतु कैटलिस्ट, परीक्षण, अनुसंधान तथा विकास, गुणवत्ता तथा प्रदूषण हेतु उपकरण और औजार शामिल हैं। पूँजीगत माल का उपयोग विनिर्माण, खनन, कृषि, जलकृषि, पशु पालन, फलोरीकल्चर बागवानी, मत्स्यपालन, कुक्कुट फार्म, सेरीकल्चर तथा विसीकल्चर के साथ-साथ सेवा क्षेत्र में किया जा सकता है;

(ख) “विदेश व्यापार नीति” का अर्थ विदेश व्यापार नीति, 2009-14 है, जो भारत सरकार, वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय द्वारा अधिसूचना सं. 01 (आरई 2012)/2009-2014, दिनांक 5 जून, 2012 के तहत प्रकाशित की गयी थी।

(ग) "प्रक्रिया पुस्तिका, खंड-1" का अर्थ प्रक्रिया पुस्तिका, खंड-, 2009-14 है, जो भारत सरकार, वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय द्वारा लोक सूचना सं. 01 (आरई 2012)/2009-2014, दिनांक 5 जून, 2012 के तहत प्रकाशित की गयी थी।

(घ) "क्षेत्रीय प्राधिकारी" का अर्थ वह प्राधिकारी है, जो विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22) के तहत कोई पर्वी या प्राधिकार की मंजूरी देने के लिए सक्षम है।

(ड.) 'हैसियत धारक' का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसकी हैसियत यथा मामला श्रेणी 'एक्सपोर्ट हाऊस' 'स्टार एक्सपोर्ट हाऊस' अथवा 'ट्रेडिंग हाऊस' 'स्टार ट्रेडिंग हाऊस' अथवा 'प्रिमियम ट्रेडिंग हाऊस' हो, जैसा कि विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.10.2 में उल्लिखित है।

[फा. सं. 609/12/2012-डीबीके]

राजेश कुमार अग्रवाल, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th July, 2012

No. 33/2012-Central Excise

G.S.R. 545(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts capital goods specified in the First Schedule and the Second Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), when cleared against a Status Holder Incentive Scheme duty credit scrip issued to a Status Holder by the Regional Authority in accordance with paragraph 3.16 of the Foreign Trade Policy (hereinafter referred to as the said scrip) from,-

- (i) the whole of the duty of excise leviable thereon under the First Schedule and the Second Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986);
- (ii) the whole of the additional duty of excise leviable thereon under section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957); and
- (iii) the whole of the additional duty of excise leviable thereon under section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978).

2. The exemption shall be subject to the following conditions, namely:-

- (a) that the said scrip has been issued by the Regional Authority to a Status Holder against exports of the products of the sectors namely, leather (excluding finished leather), textiles and jute, handicrafts, engineering (excluding iron and steel, nonferrous metals in primary or intermediate forms, automobiles and two wheelers, nuclear reactors and parts and ships, boats and floating structures), plastics and basic chemicals (excluding

2522 51712-2

pharma products) made during 2009-10, 2010-11, 2011-12 or 2012-13 or against exports of the following products made during 2010-11, 2011-12 or 2012-13, namely:-

- (i) the chemical and allied products (other than bulk minerals, granite or stones, processed minerals, cement, clinkers and asbestos) of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), namely, rubber products covered under headings 4001 to 4010 and 4014 to 4017; paints, varnishes and allied products covered under headings 3208, 3209 and 3210; glass and glassware covered under Chapter 70; plywood and allied products covered under Chapter 44; ceramics or refractories covered under Chapter 69; paper, paper boards and paper products covered under Chapter 48; books, publications and printings covered under Chapter 49; animal by-products covered under headings 35030030, 05069099, 05079010, 05079020, 05079050, 23011010, 23011090, 96062910, and 96063010; ossein and gelatine covered under headings 05061039 and 35030020; graphite products covered under headings 3801, 85451100 and 85451900 and explosives covered under headings 3601, 3602 and 3603; products covered under headings 3201, 32029010, 32030010, 3604, 3605, and 38021000;
- (ii) electronic products;
- (iii) sports goods and toys covered under Chapter 95 and headings 420321, 650610 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975);
- (iv) the engineering products covered under Chapter 72 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), namely, (i) iron and steel (ii) pipes and tubes (iii) ferro alloys:

Provided that, the following exports shall not be considered for computation of entitlement under the scheme, namely:-

- (1) export oriented units or electronic hardware technology parks or biotechnology parks, which are availing direct tax benefits or exemption;
- (2) export of imported goods covered under para 2.35 of the Foreign Trade Policy;
- (3) exports through transshipment; meaning thereby that exports originating in third country but transhipped through India;
- (4) Deemed exports;

- (5) Exports made by Special Economic Zone units or Special Economic Zone products exported through Domestic Tariff Area units;
- (6) Export of items, which are restricted or prohibited for export under Schedule-2 of Export Policy in ITC (HS);
- (7) The exports made by the Status Holders during a particular year, if benefits are availed under the Technology Upgradation Fund scheme of Ministry of Textiles in that year:

Provided further that the said scrip has not been issued in violation of the condition contained in sub-paragraph (4) of paragraph 2 of notification No. 102/2009-Customs, dated the 11th September, 2009 pertaining to Zero Duty EPCG scheme or sub-paragraph (5) of paragraph 2 of notification No.101/2009-Customs, dated the 11th September, 2009 pertaining to Zero Duty EPCG scheme for Common Service Providers, as the case may be;

- (b) that the benefits under this notification shall not be available to clear the item listed in Appendix 37B of the Handbook of Procedures, Volume I;
- (c) that the benefits under this notification shall not be available to goods or items, the imports of which are not permitted against the said scrip;
- (d) that the said scrip shall be non-transferable and shall be used for clearance of capital goods relating to sectors specified in condition (a):

Provided that the said scrip shall be transferable amongst status holders subject to the condition that the transferee status holder is a manufacturer and such transfer is endorsed by Regional Authority during the period of validity of the said scrip, mentioning the sectors for which the transferee has manufacturing facility and for which transfer is granted:

Provided further that upon such transfer, the validity of the said scrip shall remain unchanged;

- (e) that the capital goods cleared against the said scrip shall be subject to actual user condition;
- (f) that the said scrip is registered with the Customs authority at the port of registration (hereinafter referred as the said Customs authority);
- (g) that the holder of the scrip, who may either be the person to whom the scrip was originally issued or a transferee-holder, presents the said scrip to the said Customs authority along with a letter or proforma invoice from the supplier or manufacturer

indicating details of its jurisdictional Central Excise Officer (hereinafter referred as the said Officer) and the description, quantity, value of the goods to be cleared and the duties leviable thereon, but for this exemption;

- (h) that the said Customs authority, taking into account the debits already made towards imports under Notification No. 104/2009-Customs, dated the 14th September, 2009 and this exemption, shall debit the duties leviable, but for this exemption in or on the reverse of the said scrip and also mentions the necessary details thereon, updates its own records and sends written advice of these actions to the said Officer;
- (i) that at the time of clearance, the holder of the scrip presents the said scrip debited by the said Customs authority to the said Officer along with an undertaking addressed to the said Officer that-
 - (A) in case of any amount short debited in the said scrip he shall pay on demand an amount equal to the short debit, along with applicable interest.
 - (B) he shall comply with the actual user condition and that in case of non compliance of this condition he shall pay on demand an amount equal to the duty leviable, but for the exemption contained herein together with applicable interest.
- (j) that based on the said written advice and undertaking, the said Officer endorses the clearance particulars and validates, on the reverse of the said scrip, the details of the duties leviable, but for this exemption, which were debited by the said Customs authority, and keeps a record of such clearances;
- (k) that the manufacturer retains a copy of the said scrip, debited by the said Customs authority and endorsed by the said Officer and duly attested by the holder of the scrip, in support of the clearance under this notification;
- (l) that the said holder of the scrip, to whom the goods were cleared, shall be entitled to avail the drawback or CENVAT credit of the duties of excise leviable under the First Schedule and the Second Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), against the amount debited in the said scrip and validated at the time of clearance.

Explanation - For the purposes of this notification, -

- (A) "capital goods" means any plant, machinery, equipment or accessories required for manufacture or production, either directly or indirectly, of goods or for rendering services, including those required for replacement, modernization, technological up gradation or expansion. It also includes packaging machinery and equipment, refractories for initial lining, refrigeration equipment, power generating sets, machine tools, catalysts for initial charge, equipment and instruments for testing, research and

development, quality and pollution control. Capital goods may be for use in manufacturing, mining, agriculture, aquaculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, poultry, sericulture and viticulture as well as for use in services sector;

- (B) "Foreign Trade Policy" means the Foreign Trade Policy, 2009-14, published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry, *vide* notification No.01 (RE 2012)/2009-2014, dated the 5th June, 2012.
- (C) "Handbook of Procedures Volume 1" means the Handbook of Procedures Volume 1, 2009-14, published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry, *vide* Public Notice No. 01 (RE 2012)/2009-2014, dated the 5th June, 2012.
- (D) "Regional Authority" means the authority competent to grant a scrip or Authorisation under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992).
- (E) "Status Holder" means the person having status category of 'Export House' or 'Star Export House' or 'Trading House' or 'Star Trading House' or 'Premier Trading House', as the case may be, as mentioned in para 3.10.2 of the Foreign Trade Policy.

[F. No. 609/12/2012-DBK]

RAJESH KUMAR AGARWAL, Under Secy.

252291/12-3